%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 696

NO. 371

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 832; A. R. No. 284-G of 1899 )

Ś. 1299

(१।) स्वस्ति श्री शाकाव्दे रत्न-नाग-ग्रहपतिगणिते मासि चाषाढ-

(२।) सं(स)ज्ञे सप्तम्यां<2> भानुवारे हरिशिखरिपतेरग्रतो दीपदी-

(३।) प्त्यै । भारद्वाजाव्वयोदादखिलविभवसंसिद्धये भीम-

(४।) नाख्य[ः] प चाशत् {क्} [गाः] प्रतिदिनमुरुघीर्भीमनामा-

(५।) त्यपुत्रः ।। शकवरुर्षं(षं)वुलु १२९९<3> गुनेंटि पुष्व पु-

(६।) न्न(र्ण्ण)म(मि)यु अ(आ)दिवारमुनांड्र<4> सोमग्रहणकालमंदु [चतु]र्वे-

(७।) दि गुड्डय पेगड भीमन पेगडंगारि कोडुकु भीमन तन-

(८।) कु दृष्ट(ष्टा)त्थसिद्धिगानु श्रीनरसिह्यनाथुनि सन्निदि(धि)नि नित्य-

(९।) मुन्नु ओक अखडदीपमु वेलु गुटकु कूनुपिल्लि को-

(१०।) डुकु गोरय वसमुनं वेट्टिन मोदालु ५० इत नंकिनि

(११।) सा धावरान चेऋवु वेनक पंदुमु पोलपु १० पेट्टे-

(१२।) नु ई गुग्य नेलपडि एडु कुंचालु ७ नेइ देच्चि भंडा-

(१३।) रानं वेटंगलांडु ई धर्म्म श्रीवैष्णव रक्ष श्री श्री श्री [।।]

<1. In the fifteenth niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. Read “पूर्ण्णिम्यां”

<3. In S. I. I. the year is wrongly read as S. 1288 for S 1299.>

<4. The corresponding date is the 21st June, 1377 A. D., Sunday. In the S. I. I. the word ‘नाग’ is always taken for eight although it indicates nine and fully tallies with the other astronomical calculations.>